73वां गणतंत्र दिवस समारोह
वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान, रांची में दिनांक 26.01.2022 को संस्थान के प्रांगण में गणतंत्र दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक द्वारा झण्डोतोलन किया गया जिसमें संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधकर्मियों ने भाग लिया। कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए ध्वजारोहण के पश्चात झण्डे को सलामी दी गई तथा सामूहिक राष्ट्रगाण का गायन कर देश एवं गणतंत्र के प्रति आस्था प्रकट की गई। इस अवसर पर संस्थान के सभी केंद्रों (पर्यावरण अनुसंधान केंद्र, सुकना, पश्चिम बंगाल, वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, जदुआ, बिहार, वन अनुसंधान केंद्र, मांडर एवं लाह बीज फार्म, चंदवा) में भी गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया एवं राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम 73वें गणतंत्र की शुभकामनाएं प्रदान की एवं विश्व की प्रगति की ओर इसारा करते हुए अपने देश के विकास की विस्तार से चर्चा की। उन्होने देश की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने वाले सैनिकों, शोध के बल पर भारत का नाम रोशन करने वाले वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, किसानों, श्रमिकों, व्यापारियों आदि को भी नमन किया जिसके बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था विश्वस्तरीय हुई है। अंतरिक्ष की उपलब्धियों की चर्चा करते सामरिक आत्मनिर्भरता एवं सूचना क्रांति ने देश को विकास में एक नया आयाम दिया है। कोविड-19 की चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि महामारी का आना प्रकृति की प्रतिकूलता को दर्शाता है। ऐसे महामारी के कारणों पर शोध आवश्यक है, लेकिन प्रकृति का अनिमयित दोहन विभिन्न प्राकृतिक समस्याओं एवं स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है। हमे मिलकर प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने का प्रयास करना होगा। उन्होने गणतंत्र दिवस के पूर्व संध्या पर पर राष्ट्रपति द्वारा दिये गये संबोधन की भी चर्चा की। उन्होने जोर देकर कहा कि अपने काम का स्वयं मूल्यांकन करें। आत्मचिंतन करें की हमने कितने समर्पण से काम किया है। सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना भी देश के प्रति सच्ची श्रद्धा है। संस्थान के कर्मचारियों के कार्यशैली और सौहार्दपूर्ण

वातावरण बनाये रखकर समुह में काम करने की सराहना की और बताया कि इसी का फल है कि डा. आदित्य कुमार द्वारा पोपलर का क्लोन विकसित होना और राष्ट्रीय समिति द्वारा पांच क्लोन release किये जा सके है व इस प्रकार के कार्य होना संस्थान के लिए गौरव की बात है। अक्षय उर्जा (renewable energy) की चर्चा करते हुए डा. कुलकर्णी ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकारें इसके लिए प्रयासरत है और वैकल्पिक उर्जा के श्रोत को विकसित किए बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। संस्थान में प्रदर्शन सह व्याख्यान केंद्र की स्थापना भी संस्थान की उपलब्धियों में से एक है। इसके द्वारा हमारे संस्थान के कार्यों को आम जनता तक पहुचाने में सहायता मिलेगी। इस व्याख्यान केंद्र में सालाना 5000-10000 foot fall की क्षमता है। समय पर इसका उद्घाटन भी अतिशीघ्र कर लिया जायेगा। VVK द्वारा अपने कार्यों को लोगों तक पहुंचाने की भी चर्चा की और इसकी सफलता की सराहना की। इस अवसर पर संस्थान के निम्न वर्गीय लिपिक श्री दिनेश प्रसाद को वर्ष 2021 के लिए ICFRE के द्वारा दिये जाने वाले संस्थान स्तर का उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार संस्थान के निदेशक द्वारा प्रदान की गई।

पर्यावरण अनुसंधान केंद्र, सुकना में केंद्र के प्रभारी श्री पी.सी.लकड़ा, उ.व.स. द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा देशभक्तों को सम्मान के साथ याद किया गया। इस अवसर पर केंद्र के कर्मचारियों ने हमारे प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने का संकल्प लिया।

वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, जदुआ, बिहार में केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. अदित्य कुमार द्वारा, वन अनुसंधान केंद्र, मांडर में श्री पवन कुमार सिन्हा तथा लाह बीज फार्म, चंदवा में श्री बी.डी.पंडित, प्रभारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा झंडे को सलामी दी गई।

झण्डे को सलामी देते संस्थान के निदेशक

वन उत्पादकता संस्थान, रांची में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री दिनेश प्रसाद

वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, जदुआ, बिहार में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

लाह बीज फार्म चंदवा में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

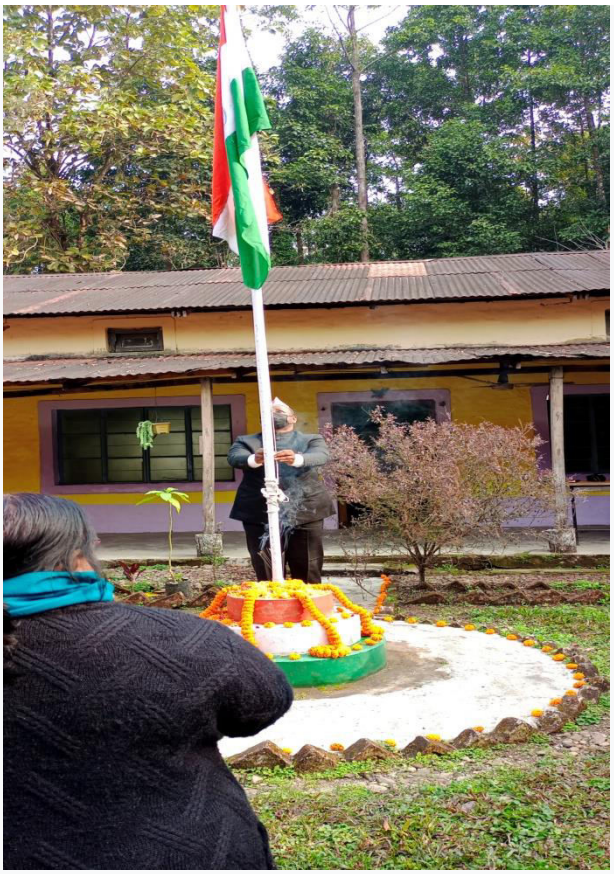

पर्यावरण अनुसंधान केंद्र सुकना में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह

वन अनुसंधान केंद्र मांडर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह